वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 136 | बुधवार 13 सितम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

विधान सभा डिजिटल म्यूजियम आमजन नि:शुल्क देख सकेंगे

15 सितम्बर से रविवार को खुला रहेगा म्यूजियम

जयपुर. कासं

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी की पहल पर राजस्थान विधान सभा के डिजिटल म्यूजियम ''राजनैतिक आख्यान संग्रहालय'' को शुक्रवार 15 सितम्बर से आमजन के लिए खोला जाएगा। आमजन इस म्यूजियम को निःशुल्क देख सकेंगे। म्यूजियम का साप्ताहिक अवकाश शनिवार को रहेगा। लोग म्यूजियम को रविवार को भी देख सकते हैं। विधान सभा के प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा ने बताया कि प्रातः 10:00 बजे से सांय 5:00 बजे तक आमजन म्यूजियम को देख सकेंगे। इच्छुक दर्शकों को अपने पहचान पत्र की छाया प्रति प्रवेश द्वार पर जमा करानी होगी। पहचान पत्र की छाया प्रति पर दर्शकों को अपने मोबाइल नम्बर आवश्यक रूप से अंकित करने होंगे। म्यूजियम को देखने आने वाले लोगों का प्रवेश विधान सभा के द्वार संख्या 7 से होगा। म्यूजियम में एक साथ 50 से अधिक दर्शक नहीं होंगे। दर्शकों को म्यूजियम देखने के नियमों का पालन करना होगा।

राज्यपाल ने काशी विश्वनाथ एवं संकटमोचन हनुमान जी के दर्शन किए

जयपुर. कासं। राज्यपाल कलराज मिश्र ने मंगलवार को वाराणसी में काशी विश्वनाथ का रुद्राभिषेक किया। उन्होंने विधिवत भगवान शंकर की अर्चना करते हुए देश और प्रदेशवासियों की संपन्नता और खुशहाली की कामना की। राज्यपाल मिश्र ने संकटमोचक हनुमान मंदिर में भी दर्शन किए।

आमजन की पहुंच से दूर 'फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स'

जानकारी के अभाव में एक मोबाइल लैब पर रोजाना सिर्फ 10 ही सैंपल

जयपुर. कासं

दूध, पनीर, मावा, दही, तेल, घी, फल-सब्जियां, दाल, चावल और मसाले जैसी 40 तरह के खाद्य पदार्थों की मौके पर ही मिलावट की जांच करने वाली फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स आमजन की पहुंच से दूर होती जा रही है। मोबाइल लैब की जगह व समय की जानकारी नहीं होने से नाममात्र के सैंपलों की जांच हो पाती है। सरकारी गाड़ी को देखकर हर आने वाले व्यक्ति के दिमाग में मुफ्त की योजनाओं की तरफ इशारा कर रहा था। किसी ने इंदिरा रसोई समझकर कहा यहां खाना मिलता है क्या? तो किसी ने कहा बैंक एटीएम है या दवा मिलती है? एक ने तो यहां तक कहा कि क्या यहां पर सस्ते टमाटर मिल रहे है। एक मोबाइल लैब पर रोज सिर्फ 10 ही सैंपल लिए जा रहे हैं।

ये हैं प्रमुख जगह: दूध मंडी सुभाष नगर, गोपालजी का रास्ता जौहरी बाजार, राम नगर स्वेज फार्म सर्किल, मुहानाफल-सब्जी

मंडी, छोटी-बड़ी व रामगंज चौपड़, चौगान स्टेडियम चौराहा गणगौरी बाजार, जोरावर सिंह गेट, कावंटिया सर्किल, खातीपुरा चौराहा, पंखा कांटा कालवाड़ रोड, ट्रांसपोर्ट नगर चौराहा आगरा रोड, मॉडल टाउन मालवीय नगर, लूनियावास बस स्टेंड, एनआरआई सर्किल प्रताप नगर, जगतपुरा सात नंबर बस स्टेंड, सांगानेर सीटी बस स्टेंड, खटीकों की ढ़ाल सांगानेर, घाटगेट बस स्टेंड, थड़ी मार्केट अग्रवाल फार्म, गुर्जर की थड़ी मानसरोवर, शिप्रा व स्वर्ण पथ मानसरोवर, केडिया पैलेस चौराहा मुरलीपुरा, सैन्ट्रल स्पाइन विद्याधर नगर, आमेर तहसील कार्यालय, सत्कार शॉपिंग सेन्टर मालवीय नगर, ट्रांसपोर्ट नगर ईदगाह, सेठी कॉलोनी, मोती डूंगरी गणेश मंदिर, ताड़केश्वर महादेव चौड़ा रास्ता।

खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच 10 मिनट में: मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब में खाद्य पदार्थों की 5 से 10 मिनट में जांच कर मिलावट का पता चल जाता है। यहां तक कि दूध में पानी, बाईकार्बोनेट के साथ यूरिया का पता भी चल सकता है। किसी को रिपोर्ट लेने पर 50 रुपए वसूले जाते है। मोबाइल लैब में जांच 5 से 10 मिनट में हो जाती है। मौके पर ज्यादा से ज्यादा खाद्य पदार्थों की मिलावट की जांच करने वाली मोबाइल फूड सेफ्टी लैब के लिए प्रमुख जगह चिह्नित की जा रही है। फिर शिड्यूल जारी किया जाएगा, जिससे लोगों को जानकारी रहेगी। प्लान किया जा रहा है कि लोगों को समय पर मोबाइल लैब की जानकारी मिल सके।

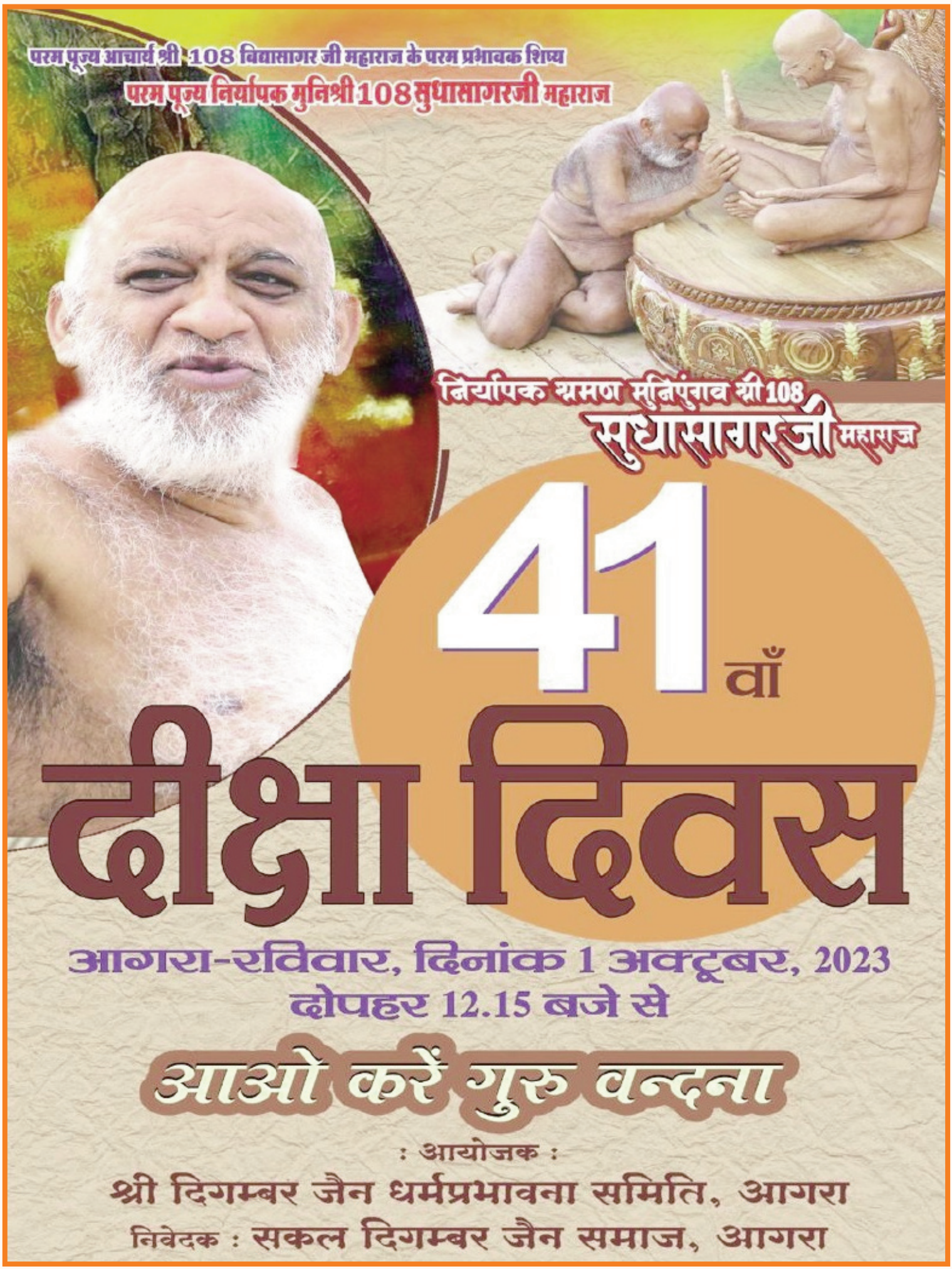
परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य
परम पूज्य निर्यापक मुनिश्री 108 सुधासागरजी महाराज
निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री 108
सुधासागर जी महाराज
41 वाँ
दीक्षा दिवस
आगरा-रविवार, दिनांक 1 अक्टूबर, 2023
दोपहर 12.15 बजे से
आओ करें गुरु वन्दना
: आयोजक :
श्री दिगम्बर जैन धर्मप्रभावना समिति, आगरा
निवेदक : सकल दिगम्बर जैन समाज, आगरा

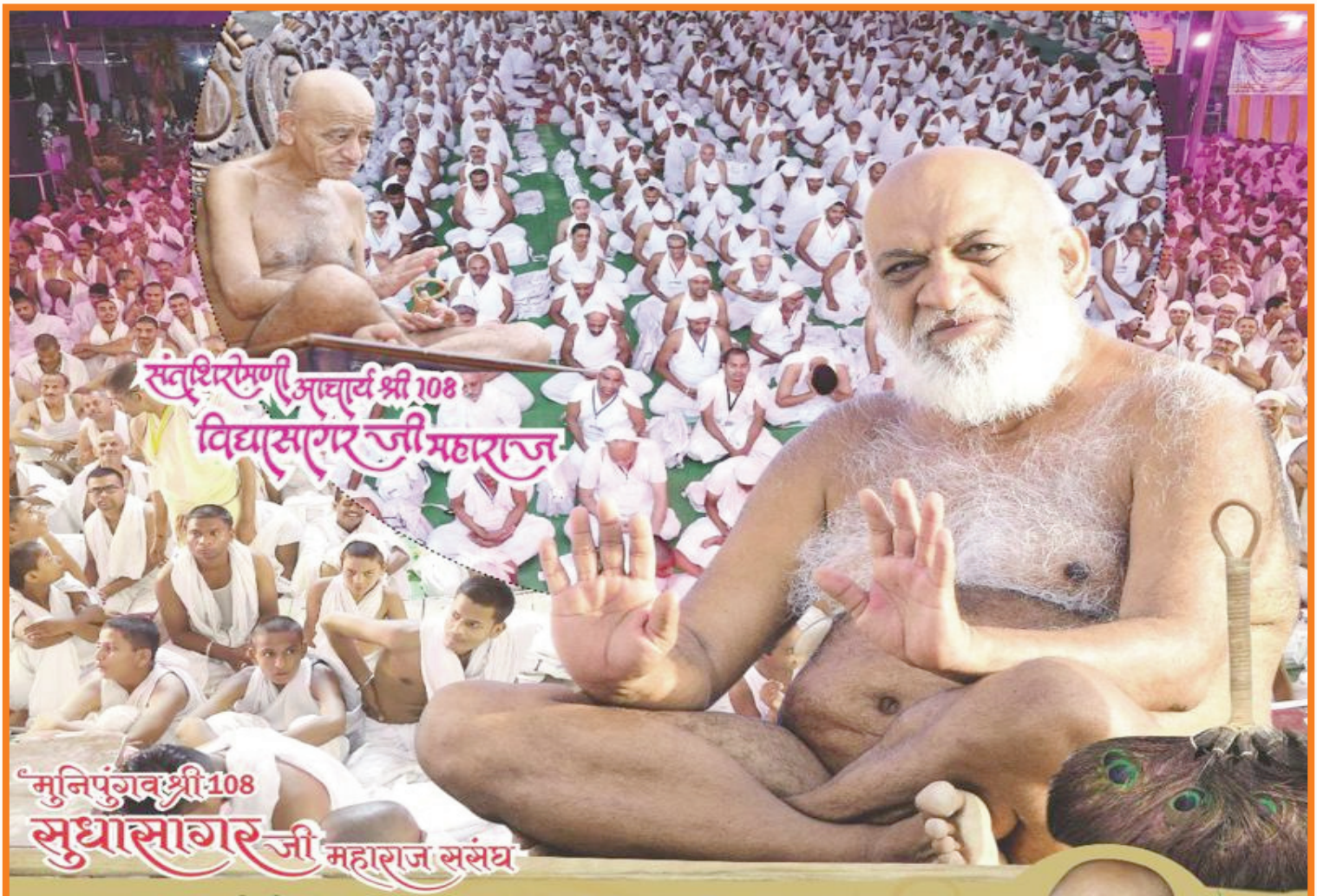

श्रावक संस्कार शिविरों के जनक परम पूज्य तीर्थचक्रवर्ती जगतपूज्य
निर्यापक श्रमण मुनिपुंगवश्री 108 सुधासागर जी महाराज
क्षुल्लक गौरव श्री 105 गंभीर सागर जी महाराज
के मंगल सानिध्य में आगरा की पुण्य धरा पर

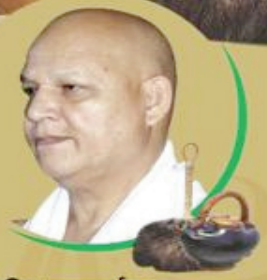

30 वां श्रावक शिविर संस्कार

आगरा–दिनांक 19 से 29 सितम्बर 2023 तक

– शिविर आयोजक स्थल–
श्री महावीर दिगम्बर जैन इण्टर कॉलेज परिसर, हरीपर्वत, आगरा (उ.प्र.)

शिविर पुण्यार्जक

श्रावक श्रेष्ठी श्री निर्मल-उर्मिला, वीरेंद्र-उषा रेखा
रजत-आयुषी, रौनक-अदिति,
विभोर विन्नी हर्षिल द्रव्या जियांशी मोठ्या परिवार

श्रावक श्रेष्ठी श्री हीरालाल-वीना,
दिवाय-कोमल, उत्कर्ष दिविषा काव्या
अर्हम बैनाडा परिवार

श्रावक श्रेष्ठी श्री राजेश-रजनी,
निखिल-पूजा, शोभित-आरती,
कनिष्का हनीशा, आध्या सेठी परिवार

श्रावक संस्कार शिविर

निर्देशक
हुकम जैन 'काका'
94141-84618

निर्देशक
दिनेश गंगवाल
93145-07802

सुधा अमृत वर्षायोग–2023, आगरा

जगत पूज्य निर्यापक श्रमण मुनिपुंगवश्री 108 सुधासागर जी महाराज का
41वां मुनि दीक्षा दिवस समारोह अश्विन वदी तृतीया
दिनांक 01 अक्टूबर 2023 को दोपहर 12:15 से मनाया जायेगा।

शिविर आयोजक:- श्री दिगम्बर जैन धर्म प्रभावना समिति, आगरा (उ.प्र.)

वेद ज्ञान

नजरिया बदलें

किसी अप्रिय घटना के बाद हम देर तक परेशान रहते हैं और बदला लेने की तैयारी में जुट जाते हैं। इस दौरान अधिकांश नकारात्मक विचार आते हैं। एक बेस्ट सेलर किताब के लेखक बेन डायर का कहना है कि जीवन में ज्यादातर दरारें स्थिति को आत्मसात न करने के कारण पड़ती हैं। लोगों को पानी की तरह पारदर्शी और प्रत्येक स्थिति में ढल जाने की प्रवृत्ति रखनी चाहिए। रुका हुआ पानी गंदा हो जाता है, उसी तरह किसी कड़वे अनुभव का प्रभाव देर तक मन में रहकर वर्तमान को दुखद बना देता है। जरूरी है कहीं पर माफ कर दें और कहीं पर माफी मांग लें। यह तो सत्य है कि दुख देने वाले को माफ करना मुश्किल है, प्रतिशोध की भावना रह-रह कर उमड़ती है, पर जीवन के सकारात्मक पहलुओं से अच्छे परिवर्तन पर ध्यान देना चाहिए। सबके साथ मिलकर चलना नई संभावनाओं को जन्म देता है जो आत्मकेंद्रित न होकर वसुधैव कुटुंबकम की तरफ ले जाता है और सच तो यह भी है कि प्यार के बदले प्यार मिलता है। ब्रिटिश लेखक लाउज ने भी कहा है कि किसी अप्रिय घटना का प्रत्युत्तर दयालुता से देने का खतरा हम उठा लें तो कड़वाहट तत्क्षण खत्म हो जाती है। हानि पहुंचाने वाले सभी विचारों से खुद को दूर कर देखें तो हम शत्रु भाव से भी मुक्त हो जाएंगे। यदि लगता है कि चीजें सिर्फ हमें दुखी करने के लिए की जा रही हैं तो भी उसे व्यक्तिगत न मान कर छोड़ देना चाहिए। व्यक्ति और स्थितियां बदलती रहती हैं। नकारात्मक लोगों को अपने अनुकूल बनाना मुश्किल है, पर उन तक पहुंचना आसान है जो हमारे अनुकूल हैं। अगर कभी लगे कि दुनिया में सब लोग बुरे और प्रतिकूल विचारों वाले ही मिल रहे हैं तो एक बार अपने अंदर भी झांक कर देख लेना चाहिए। हो सकता है अपना ही व्यवहार ऐसा हो जो सबको दुखी कर रहा हो। सबके साथ सम्मान से पेश आना चाहिए। हमें स्वयं पर दूसरों के प्रभाव को देखने का तरीका बदलना होगा, तब कई अच्छे पक्ष सामने आएंगे। दूसरों की सोच बदलने की कोशिश से अच्छा है, अपनी ही सोच को परिष्कृत किया जाए।

संपादकीय

चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी पर राजनीति शुरू..

जब भी किसी अनियमितता के मामले में किसी बड़े पदाधिकारी या नेता के खिलाफ कार्रवाई होती है, तो भरोसा बनता है कि इससे भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। मगर पिछले कुछ वर्षों से भ्रष्टाचार के मामलों में राजनेताओं की गिरफ्तारियों को प्रायः सियासी रंग दे दिया जाता है। पक्ष और विपक्ष के दल परस्पर बंटे नजर आते हैं। जाहिर है, इससे भ्रष्टाचार को लेकर आम लोगों में भ्रम फैलता है और इस तरह इसके खिलाफ कोई भरोसेमंद लड़ाई आगे नहीं बढ़ पाती। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी को लेकर भी ऐसा ही माहौल बन गया है। विपक्षी पार्टियां सत्तारूढ़ दल पर बदले की भावना से काम करने का आरोप लगा रही हैं। तेलुगु देशम पार्टी के कार्यकर्ता इसके विरोध में आंदोलन पर उतर आए हैं। गौरतलब है कि चंद्रबाबू नायडू को कौशल विकास घोटाले के आरोप में वहां की सीआइडी की आर्थिक अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया है।

आरोप है कि करीब सात साल पहले चंद्रबाबू नायडू ने मुख्यमंत्री रहते बेरोजगार युवाओं में कौशल विकास के लिए एक योजना शुरू की थी, जिसके लिए तीन हजार तीन सौ करोड़ रुपए की परियोजना तैयार की गई। यह काम एक निजी कंपनी को दिया गया, जिसे इसमें पैसे लगाने थे और कुल लागत का केवल दस फीसद राज्य सरकार को खर्च करना था। मगर कंपनी ने पैसे नहीं लगाए और सरकार ने फर्जी कंपनियों को करीब ढाई सौ करोड़ रुपए दे दिए। हालांकि करीब दो साल पहले सीबीआइ ने इस मामले की जांच की थी, जिसमें पच्चीस लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। उसमें चंद्रबाबू नायडू का नाम नहीं था। मगर इस साल मार्च में इस मामले की जांच सीआइडी को सौंप दी गई। उसने अपनी छानबीन में पाया कि इसमें गंभीर अनियमितताएं हुई हैं और उनमें खुद चंद्रबाबू नायडू शामिल हैं। उसने चंद्रबाबू के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली। चूंकि सीआइडी राज्य सरकार के अधीन काम करती है, इसलिए विपक्षी दलों के लिए यह आरोप लगाना आसान हो गया है कि उसने राज्य सरकार के इशारे पर यह कार्रवाई की है। पिछले कुछ समय से चंद्रबाबू नायडू जगनमोहन रेड्डी सरकार के खिलाफ आक्रामक विरोध कर रहे थे, इसलिए यह भी कहा जा रहा है कि इसका बदला लेने की नीयत से राज्य सरकार ने यह कदम उठाया है। इस तरह कौशल विकास घोटाला भी राजनीति की भेंट चढ़ता नजर आने लगा है। यह पहला मामला नहीं है, जब भ्रष्टाचार के खिलाफ हुई किसी कार्रवाई को सत्तापक्ष की बदले की भावना से की गई कार्रवाई बता कर हकीकत पर परदा डालने का प्रयास किया जा रहा है। दिल्ली में शराब घोटाले, महाराष्ट्र में भूमि खरीद घोटाला, पश्चिम बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाला आदि में हुई राजनेताओं की गिरफ्तारियों और सीबीआइ, प्रवर्तन निदेशालय आदि जांच एजंसियों की अनेक नेताओं से पूछताछ को लेकर भी इसी तरह की सियासी सरगर्मी दिखती रही है। हालांकि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सरकारें जांच एजंसियों का अपने सियासी नफे-नुकसान की दृष्टि से दुरुपयोग करती रही हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

ऐतिहासिक उपलब्धि

उम्मीद के मुताबिक जी20 के शिखर सम्मेलन में जिन बातों पर सहमति बनी है, उन्हें विश्व को बेहतर बनाने के प्रयासों का एक अहम हिस्सा कहा जा सकता है। इस ऐतिहासिक आयोजन के दौरान जी20 के मूल मकसद और इस समूह के सदस्य देशों के बीच अनेक मुद्दों पर बनी सहमति एक बड़ी उपलब्धि है। इसमें भारत की भूमिका जिस रूप में सामने आई है, उसे दुनिया भर में इसकी मजबूत उभरती छवि के तौर पर भी देखा जा सकता है। यह भारत के प्रधानमंत्री और अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच हुई बातचीत में कई मुद्दों पर साथ देने के मामले में भी सामने आया। खासकर ''नई दिल्ली घोषणापत्र'' पर सभी सदस्य देशों के बीच बनी सहमति में एक नई विश्व-दृष्टि की झलक मिलती है। खुद प्रधानमंत्री ने इस घोषणापत्र के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इसके साथ ही एक इतिहास रचा गया है; हम सर्वसम्मति और मनोभाव के साथ एकजुट होकर बेहतर, अधिक समृद्ध और समन्वित भविष्य के लिए सहयोग के साथ काम करने का संकल्प लेते हैं। निश्चित रूप से इस शिखर सम्मेलन में सद्भावना और औपचारिक प्रक्रियाओं के बीच यह एक महत्त्वपूर्ण घटनाक्रम है। दरअसल, नई दिल्ली घोषणापत्र जिन बिंदुओं पर केंद्रित है, उन्हें विश्व भर में समावेशी विकास और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिहाज से अहम माना जा रहा है। इसके मुख्य केंद्रीय मुद्दों में मजबूत, दीर्घकालिक, संतुलित और समावेशी विकास के साथ-साथ सतत विकास लक्ष्यों पर आगे बढ़ने में तेजी, दीर्घकालिक भविष्य के लिए हरित विकास समझौता, इक्कीसवीं सदी के लिए बहुपक्षीय संस्थाओं और बहुपक्षवाद को पुनर्जीवित करना आदि शामिल हैं। जाहिर है, आर्थिक सहयोग पर आधारित विकास के लिए काम कर रहे जी20 का नई दिल्ली घोषणापत्र भी इसके घोषित लक्ष्यों के अनुरूप है। इस आयोजन में यह भी उम्मीद थी कि सदस्य देशों के बीच रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भी एक स्पष्ट राय सामने आएगी। इस मसले पर समूह के बाली में हुए पिछले शिखर सम्मेलन के रुख को ही दोहराया गया कि सभी देशों को किसी भी अन्य देश की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता या राजनीतिक स्वतंत्रता के खिलाफ क्षेत्रीय अधिग्रहण की धमकी या बल के उपयोग से बचना चाहिए। साथ ही परमाणु हथियारों का उपयोग या इसकी धमकी अस्वीकार्य है। इसके अलावा, सभी नेताओं ने आतंकवाद को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक बताया। जाहिर है, मौजूदा विश्व में गंभीर चुनौतियों को संबोधित करते हुए सम्मेलन में फिर से व्यापक महत्त्व के मुद्दों पर साथ काम करने को लेकर सहमति बनी है। जी20 सम्मेलन से इतर भारत के लिए यह मौका कूटनीतिक तौर पर एक अतिरिक्त अवसर था, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति और हमारे प्रधानमंत्री के बीच सीधी बातचीत को एक अहम पक्ष के रूप में दर्ज किया जा सकता है। इसमें दोनों देशों ने विश्व कल्याण, रक्षा साझेदारी को मजबूत करने समेत कई मुद्दों पर साथ काम करने का संकल्प लिया। अमेरिका के अलावा भारत ने कई अन्य देशों के साथ भी द्विपक्षीय वार्ता की, जिसमें आने वाले समय में दुनिया भर में आर्थिक, स्वास्थ्य, सामरिक और अन्य क्षेत्रों में उभर रही चुनौतियों का सामना करने के लिए नए आधुनिक तकनीकी संसाधनों से लेकर कूटनीतिक स्तर पर नई रूपरेखा के लिए सहमति बनी। कहा जा सकता है कि जी20 अपने घोषित उद्देश्यों को अब वैश्विक परिदृश्य में नया स्वरूप दे रहा है और भारत इसमें अब केंद्रीय भूमिका में है।

दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय महासचिव सुरेंद्र पांड्या का किया स्वागत सम्मान

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन महा समिति के राष्ट्रीय महासचिव एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष जाने-माने उद्योगपति सुरेंद्र पांड्या - मृदुला पांड्या का आज नसियां कॉलोनी स्थित दिगंबर जैन मंदिर में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के पदाधिकारीयो द्वारा माला एवं साफा पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया। इस अवसर पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के पदाधिकारी के साथ सुरेंद्र पांड्या ने संगठन की गतिविधियों के विषय में चर्चा की।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप द्वारा गर्मी के मौसम में रेलवे स्टेशन पर रेल यात्रियों के लिए की जाने वाली निशुल्क जल सेवा के बेहतरीन आयोजन के लिए भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दिगंबर जैन सोशल ग्रुप ने हमेशा जैन समाज के नौजवानों में नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए कार्य किया है। एवं विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से समाज की युवा तरुणाई को समाज के नेतृत्व के लिए तैयार किया है। राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुरेंद्र पांड्या ने आगामी समय में राजस्थान प्रदेश में होने वाले विधानसभा के चुनाव में जैन समाज की भूमिका के विषय में भी विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन के उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन नृपत्या, अध्यक्ष विमल जैन गोधा, महामंत्री डॉ मनोज जैन मृदुल पांड्या, के के जैन, डॉक्टर एमपी जैन, निलेश जैन, डॉक्टर पीसी सेठी, सुभाष जैन पांड्या सहित समाज के दर्जनों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे ।

67वीं जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

नीमकाथाना की बालिका खिलाड़ियों ने जीता स्वर्ण

नीमकाथाना. शाबाश इंडिया। 67वीं जिला स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता मंगलवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रायपुर जागीर में संपन्न हुई। जिसमें नीमकाथाना जिले की सेम स्कूल के छात्र छात्राओं ने अपना दम खम दिखाया और छात्रा वर्ग में गोल्ड मेडल प्राप्त किया तथा छात्र वर्ग में सिल्वर मेडल प्राप्त किया। टीम प्रभारी हेमेश सैन ने बताया कि दोनों टीमों के 8 छात्र- छात्रा खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ जो राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में नीमकाथाना का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अवसर पर कोच सुनिल सैनी मौजूद रहे।

पर्वाधिराज पयूर्षण महापर्व सोई हुई आत्मा को जाग्रत करता हैः महासती प्रितीसुधा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। सभी पर्वा का राजा है पर्वाधिराज पयूर्षण महापर्व ।मंगलवार अहिंसा भवन शास्त्रीनगर पयूर्षण महापर्व के प्रथम दिवस महासती प्रितीसुधा ने पयूर्षण पर्व मे तप त्याग और धर्म आराधना करने वाले सैकड़ों श्रध्दांलूओ को धर्म उपदेश प्रदान करते हुए कहा कि पर्युषण आत्म जागरण का संदेश देता है और हमारी सोई हुई आत्मा को जाग्रत करके आत्मा पर कर्म रूपी मैल को हटाता है। विश्व अनेक त्योहार और पर्व मनाएं जाते है लेकिन आत्मा की शुध्दी का एक इकलौता पर्व है पर्वाधिराज पयूर्षण पर्व जिससे कर्मो की निर्जरा करके काया को निर्मल और आत्मा को श्रेष्ठ बनाने का मार्ग प्राप्त करके मनुष्य अपने मानव भव सफल बना सकता है और इस आत्मा को मोक्ष गति दिलवा सकता है जब तक हमारे सम्पूर्ण कर्म क्षय नही हो जाते है तब तक हमारी यह आत्मा शुध्द और पवित्र नही बन सकती है।साध्वी संयम सुधा ने अतंगडदशा सूत्र का वांचना करतें हुए कहा कि परमात्मा की वाणी में राग द्वेष नहीं होता है वितराग वाणी हमारे अंतर आत्मा को जाग्रत करती है,और हमे समस्त दुखों से छुटाकारा दिलाने एवं हमारी आत्मा पर जमे मैल को हटाने का सदमार्ग बताती है। अहिसा भवन के मुख्य मार्ग दर्शक अशोक पोखरना संघ अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह बाबेल ने जानकारी देते हुए बताया कि पयूर्षण पर्व के प्रथम दिवस पर शहर अनेक उपनगरों के गणमान्य श्रावकों मे मीठ्ठालाल सिंघवी,नवरतनमल बम्ब, राजेन्द्र चीपड़,सुशील चपलोत,प्रवीण कोठारी आदि अतिथीयो के साथ अहिंसा भवन के हेमन्त आंचलिया रिखबचंद पीपाड़ा, अशोक गुगलिया, सरदार सिंह कावड़िया,जसवंत सिंह डागलिया, अशोक चपलोत चांदमल टुकलिया,हिम्मतसिंह बाफना, शांतिलाल कांकरिया, रतनलाल कोठारी आदि पदाधिकारियों के साथ महिमा मंडल की अध्यक्षा नीता बाबेल, रजनी सिंघवी,सुनीता झामड़,मंजू बापना ,उमा आँचलिया,संजूलता बाबेल,वनिता बाबेल ,अंजना सिसोदिया,एकता बाबेल ,अंजना छाजेड ,लाड़ जी मेहता,अनीता चौधरी,अन्नू बापना,लता कोठारी आदि की उपस्थिति रही। निलिष्का जैन बताया कि इस दौरान धर्मसभा मे सभी श्रध्दांलूओ को सुभाषचन्द , महावीर कुमार,ललित कुमार बाबेल की ओर प्रभावना प्रदान की गई। सैकड़ों भाई और बहनों ने साध्वी प्रितीसुधा से एक उपवास के प्रत्याख्यान लिए थे। धर्म सभा के पूर्व प्रातःकाल अंखड नवकार महामंत्र प्रारंभ किया गया तथा दोपहर को धार्मिक प्रतियोगिता रखी गई। **प्रवक्ता : निलिष्का जैन**

निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा...

गरीब धनवान को देखकर ईर्ष्या न करें, प्रमोद भाव करें, ओहो धन्य है

अज्ञानी-ज्ञानी को देखकर, असंयमी संयमी को देखकर आनंदित हो, देखो मैं असंयमी हूँ और ये इसी पंचमकाल में ये संयम का पालन कर रहे हैं...

आगरा. शाबाश इंडिया

आगरा के हरीपर्वत स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सभागार में निर्यापक श्रमण मुनिपुगंव श्री सुधासागर जी महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि नीतिकारों ने इस प्रकृति और सृष्टि का नाम बड़े सम्मान से लिया वो भी भारतवासी लोगो ने। विदेशी लोग, पाश्चात्य संस्कृति के लोग इस प्रकृति को एक स्त्री के रूप में देखते है और भारतीय लोग इस प्रकृति को माँ के रूप में देखते है। भारतीय जितना साहित्य देखा सभी ने इस सृष्टि को माँ के नाम से सम्बोधन किया। विश्व का कोई भी व्यक्ति अपनी धरती अपने राष्ट्र को माता नही कहता है। क्यों भारत देश को महान कहा जाता है। धन दौलत तो विदेशो में ज्यादा है, भारत मे नही। धन दौलत तो रावण के पास ज्यादा थी श्रीराम के पास नही फिर क्यों रावण की पूजा नही हो पाई। अपने से अधिक गुणवान,अपने से अधिक धनवान, ज्ञानवान, इज्जतवान धर्मात्मा को देखकर ईष्या भाव जागता है, किसी सुखी को देखकर दुखी को ईष्या भाव जागता है तो एक मोटिवेशन ले लो महानुभाव- जो चीज हमें चाहिए है और हमारे पास नही है और जिसके पास है उससे ईष्या करने की अपेक्षा उसको जय जिनेंद्र और प्रमोद भाव करो तो कल हम उस जैसे बन जायेंगे। गरीब धनवान को देखकर ईष्या न करे, प्रमोद भाव करे,ओहो धन्य है। अज्ञानी ज्ञानी को देखकर, असंयमी संयमी को देखकर आनंदित

हो, देखो मैं असंयमी हूँ और ये इसी पंचमकाल में ये संयम का पालन कर रहे है। ईष्या भाव नही,आनंद भाव लाओ आज तुम असंयमी हो कल तुम्हे संयम लेने का भाव आ जायेगा। जो मुनियों से ईष्या करते है, मुनियों के प्रति द्वेष भाव रखते है इनके जिंदगी में कभी भी संयम लेने का भाव नही आएगो थोड़ा सा भी त्याग करने का भाव नही आएगा,नियम लेने का भाव नही आएगा। कारण कुछ भी हो,जो नियम लिए है वे भी छोड़ देंगे। छह महीने एक गरीब आदमी अपने से अमीर आदमी से बहुत ईष्या करे, बहुत उसका बुरा सोचे,भगवान को एक श्रीफल चढ़ाए कि भगवन मैं गरीब क्यों इसका दुख नही है ये अमीर क्यों इसका दुख है, इसके यहाँ छापा पड़ जाए, डाका डल जाए तो मैं कर्जा लेकर भी शांतिधारा करूँगा। प्रतिदिन ये भावना करना, छह महीने तक। छह महीने के अंदर अंदर देखना अमीर का कुछ नही बिगड़ेगा, तुम जिस रेखा पर बैठे थे उससे और नीचे आ जाओगे इतने नीचे आ जाओगे कि अभी तो झोपड़ी थी, अब वो भी समाप्त हो जाएगी। कोई अच्छे नंबर ला रहा हो उससे ईष्या करके देखना, आपकी जो डिवीजन इस साल बनी है मेरी गारंटी है अगली साल आपके नम्बर और कम आएंगे क्योंकि तुमने ईष्या की थी, उसके ज्ञान के लिए। हर क्षेत्र में यही लगा लेना अपने से अधिक गुणवान को देखकर यदि ईष्या आये तो समझना हमारे बुरे दिन आ गए। सारे अपशगुन टाले जा सकते है लेकिन गुणवान को देखकर ईष्या आ गयी ये तुम्हारी जिंदगी का निधत्ति निकाचित अपशगुन है। तुम्हारे बुरे दिन आना निश्चित है कोई नही रोक सकता। बुरे कर्म करने वाले को निधत्त- निकाचित कर्म का बन्ध हो ये कोई जरूरी नही, इसके उपाय है, लेकिन ईष्या करने के लिए कोई काट नही है। अज्ञानी होना कोई बड़ा पाप नही है लेकिन ज्ञानी से ईष्या करने बराबर कोई पाप दूसरा नही है। अंधा होना कोई पाप नही है लेकिन नेत्रवानो से ईष्या मत करना, ये सबसे बड़ा पाप है। छह महीने हर गरीब अमीर को देखकर खुश होवे और जय जिनेंद्र करे और शगुन मान लेवे आज मेरा बहुत शुभ दिन है, निकलते ही सेठ जी का दर्शन हो गया,छह महीने कर लीजिए आप गरीबी की रेखा से ऊपर उठ जायेगे। आहार देने में कोई पुण्य नही है महानुभाव,आहार देते समय जो तुम्हें अहोभाग्य आया, मैंने कितना पुण्य किया जो महाराज की अंजुली में मैंने एक ग्रास रख दिया वो जो आनंद उमडा वही पुण्य है। मुनि बनने में कुछ नही रखा है व्रत,नियम लेने में कुछ नही रखा है,मंदिर आने में कुछ नही रखा और मन्दिर आते ही जैसे तुम्हे भाव आया अहोभाग्य मेरे उदय आओ, दर्श प्रभु जी को लख लियो,जो रोम रोम पुलकित हुआ है वो निधत्त निकाचित पुण्य बन्ध। धर्मसभा से पूर्व मिट्ठनलाल जैन एवं संजय जैन परिवार विजय नगर एवं मोहन स्वरूप जैन एवं विशाल जैन आगरा परिवार द्वारा मुनिश्री का पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट किया,साथ ही संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन किया। विमलेश जैन आगरा एवं अजमेर से आए गुरुभक्तों ने गुरु को नमन कर भक्ति नृत्य करते हुए मंगलाचरण की मनमोहक प्रस्तुति दी। इस दौरान आगरा दिगंबर जैन परिषद, श्री दिगंबर जैन धर्म प्रभावना समिति एवं श्री दिगंबर जैन शिक्षा समिति के पदाधिकारियों ने एवं दिल्ली से पधारे वीरेंद्र कुमार जैन ने मुनिश्री के चरणों में श्रीफल भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त कियो धर्मसभा का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल ने किया। धर्मसभा में प्रदीप जैन पीएनसी निर्मल मोठ्या, दिलीप जैन,मनोज जैन बाकलीवाल, नीरज जैन जिनवाणी, पंकज जैन सीटीवी, पन्नालाल बैनाड़ा, हीरालाल बैनाड़ा जगदीश प्रसाद जैन, राजेश जैन सेठी, शुभम जैन मीडिया प्रभारी,राजेश सेठी शैलेन्द्र जैन,विवेक बैनाड़ा,ललित जैन,अमित जैन बॉबी, अनिल जैन शास्त्री,रूपेश जैन, के के जैन,सचिन जैन,अंकेश जैन, समकित जैन समस्त सकल जैन समाज आगरा के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

शुभम जैन ,मीडिया प्रभारी

समता के साथ ममता का विसर्जन करना समर्पण: गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 विज्ञाश्री माताजी ने भव्य जीवों के लिए धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - समता के साथ ममता का विसर्जन करना समर्पण है । समर्पण का दूसरा नाम बलिदान है। अपने मन , वचन , काय रूपी बल का दान करना अर्थात परमात्मा के चरणों मे समर्पित हो जाना उसका नाम समर्पण है जिस प्रकार बीज मिट्टी में समर्पित होता है तो वृद्धा के रूप में फलित होता है उसी प्रकार प्रभु चरणों में समर्पित होने से स्वर्ग मोक्ष फल की प्राप्ति होती है। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ के तत्वावधान में गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में सोलहकारण व्रत पूजन विधानादि का आयोजन चल रहा है। बड़े भक्ति भावों से सुभाष कासलीवाल विवेक विहार जयपुर, विमल जैन झांतला, महेश मोटूका वालों ने शांतिनाथ भगवान की शान्तिधारा सम्पन्न कराई । मूलचंद काला पुरुलिया वालों ने जन्मदिन पर श्री 1008 शांतिनाथ महामण्डल विधान रचाकर पुण्यार्जन किया । आगामी 19 सितम्बर से पर्वराज दश लक्षण महापर्व के अवसर पर श्री दशलक्षण विधान का आयोजन किया जायेगा।

तप त्याग और धर्म आराधना के साथ सैकड़ों श्रध्दांलूओ ने अनेक वस्तुओं के प्रत्याख्यान लिए

जैनियों का पर्व नही सम्पूर्ण मानव जाति का पर्व है पर्वाधिराज पयूर्षण महापर्व : महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत.शाबाश इंडिया

चैन्नई। सभी पर्वो का राजा पर्वाधिराज पयूर्षण महापर्व। मंगलवार साहूकार पेठ श्री एस. एस.जैन भवन के मरूधर केसरी दरबार में महासती धर्मप्रभा ने अष्टदिवसीय पर्यूषण पर्व के प्रथम दिवस पयूर्षण पर्व मे धर्म आराधना करने वालें सैकड़ों श्रध्दांलूओ को धर्म उपदेश देते हुए कहा कि आत्मा पर कर्म रूपी मैल एवं अपने आपसी रंजिशो मत भेदों और राग द्वेष को भूलाने के साथ मन मे पड़ी उन गांठो को खोले का पर्व है,यह पर्यूषण महापर्व। पर्युषण आत्म जागरण का संदेश देता है।और हमारी सोई हुई आत्मा को जगाने साथ आत्मा द्वारा आत्मा को पहचानने की शक्ति प्रदान करता है। पयूर्षण जैनियों का पर्व नही सम्पूर्ण मानव जाति पर्व है जिसमे आत्मा की उपासना करके कर्मो कि निर्जरा की जाती है। पयूर्षण मे जो मनुष्य श्रध्दां भाव और मैत्री के साथ मन वचन से पयूर्षण की आराधना करता वह व्यक्ति अपनी आत्मा को सर्वश्रेष्ठ बनाकर इस आत्मा को मोक्ष दिला सकता है।साध्वी स्नेहप्रभा ने अतंगडदशा सूत्र का वांचना करतें हुए कहा कि परमात्मा की वाणी में राग द्वेष नहीं होता है वितराग वाणी हमारे अंतर आत्मा को जाग्रत करती है,और हमे समस्त दुखों से छुटाकारा दिलाने एवं हमारी आत्मा पर जमे मेल को हटाने का प्राणियों को सदमार्ग दिखाती है। श्री संघ साहूकार पेठ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने जानकारी देते बताया की पयूर्षण के प्रथम दिवस अनेक भाई और बहनों ने उपवास एवं एकासन आयंबिल आदि के सामूहिक प्रत्याख्यान लिए थें इसदौरान धर्मसभा चैन्नई महानगर के अनेक उप नगरों के श्री संघो के श्रध्दांलूओ के साथ श्री एस.एस.जैन संघ के अध्यक्ष एम.अजिराज कोठारी महामंत्री सज्जनराज सुराणा,पदमचन्द ललवाणी,हस्तीमल खटोड़,सुरेश डूगरवाल,महावीर कोठारी, जितेन्द्र भंडारी,बादल कोठारी, देवराज लुणावत,माणक खाबिया, रमेश दरड़ा,शांतिलाल दरड़ा, शशम्भूसिंह कावड़िया,अशोक सिसोदिया अशोक कांकरिया भरत नाहर, महावीर ललवानी आदि पदाधिकारियों के साथ गणमान्य अतिथीयों मे महेश भंसाली,दीपचन्द कोठारी, विजयराज कोठारी,अमर चन्द कोठारी,सागरमल कोठारी, प्रेमचन्द कोठारी,प्रकाश कोठारी पूर्व राष्ट्रीय महिला जैन कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षा रतनीबाई महता और तमिलनाडु युवा जैन कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष आनंद बालेचा आदि सभी की उपस्थित रही। धर्मसभा से पूर्व जैन भवन मे प्रातःकाल शुभवेला मे अंखड नवकार महामंत्र का जाप का शुभारंभ किया गया और दोपहर मे कल्पसूत्र का वांचन एवं धार्मिक प्रतियोगिता रखी गई। धर्मसभा संचालन संघ के महामंत्री सज्जनराज सुराणा द्वारा किया गया।

हिन्दी दिवस 14 सितंबर पर विशेष

हिन्दी की राष्ट्रव्यापी स्वीकार्यता चाहिए

विजय कुमार जैन राघौगढ़ म.प्र.

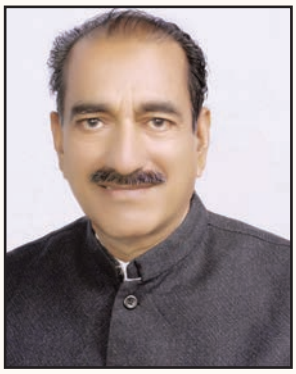

सर्वविदित है 14 सितंबर 1949 को हिन्दी भारत की राजभाषा घोषित की गई थी। और राजकाज के लिये पन्द्रह वर्ष तक अंग्रेजी को संपर्क भाषा के रूप में प्रयोग करने की स्वीकृति दी गई थी, लेकिन तब से आज तक सात दशकों में हिन्दी को राष्ट्रभाषा का सम्मान नहीं मिला। संतोष का विषय है कि आधुनिक संचार क्रांति के नये युग में मीडिया, फिल्म जगत और उद्योग सभी क्षेत्रों में हमारी प्यारी भाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार को अपेक्षाकृत बल मिला है। दक्षिण भारतीय भी हिन्दी के प्रति अब ज्यादा दुराग्रह नहीं रखते, मगर खेद का विषय है कि आज तक किसी शासनकाल में हिन्दी को राष्ट्र भाषा के रूप में प्रतिष्ठित करने सक्रिय प्रयास नहीं हुए, हिन्दी दिवस के आयोजन मात्र औपचारिकता बन गये है। 14 सितंबर 1949 को भारत के संविधान में हिन्दी को भारतीय गणराज्य की राष्ट्र भाषा बनाने का निर्णय लिया गया और उसी दिन की स्मृति में संपूर्ण भारत में प्रतिवर्ष 14 सितंबर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। महाकवि मैथिली शरण गुप्त ने लिखा है ''भगवान भारत वर्ष में गूंजे हमारी भारती''।भारती से महा कवि का आशय राष्ट्र भाषा हिन्दी से है। विश्व के 180 देशों में हिन्दी बोलने और समझने बाले नहीं है। पिछले 45 वर्षों के दौरान ग्यारह विश्व हिन्दी सम्मेलन विश्व के अनेक नगरों में आयोजित किये गये। हिन्दी लेखकों एवं कोटि के विद्वानों के आपसी सामन्जस्य से सौहार्द का वातावरण निर्मित हुआ है। विदेशों में हिन्दी का प्रचार प्रसार धीरे धीरे गति पकड़ रहा है। माँरीशस,फिजी, सूरीनाम, त्रिनिदाद, गुयाना, नीदरलैंड, दक्षिण अफ्रीका, नार्वे, वियतनाम, जापान, अमेरिका, जोहान्सबर्ग आदि देशों में ऐसी अनेक संस्थायें है जो हिन्दी साहित्यकारों की जयंती मनाते है। राम चरित मानस और गीता का पाठ करबाते है। होली और दीवाली के अवसर पर मिलन समारोह और कवि सम्मेलन आयोजित करते है। मगर दुख का विषय है कि हम विदेशों में हिन्दी की इस हलचल को देख कर खुश तो हो लेते है किन्तु इस बात पर ध्यान नहीं देते कि 10 से 14 जनवरी 1975 को नागपुर में आयोजित पाँच दिवसीय प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री मती इंदिरा गाँधी ने संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी को आधिकारिक भाषा के रूप में का जो संकल्प लिया था, वह अभी तक अधर में ही क्यों लटका हुआ है। चेकोस्लोवाकिया के विद्वान प्रो. ओदोलेन स्मेकल ने नागपुर में आयोजित प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन में कहा था देश की आत्मा को समझने के लिये उसकी भाषा को समझना चाहिए। मुझे जान पड़ता है कि भारत की आत्मा को समझने के लिये संस्कृत निष्ठ हिन्दी को जानना आवश्यक है, क्योंकि वह अपने मूल रूप में संस्कृत शब्दों को आत्मसात करने के फलस्वरूप समृद्धतम वर्तमान भारत की राष्ट्र भाषा है। भारत के संविधान के भाग 17 अध्याय 1 में भारत की राजभाषा का उल्लेख है। संविधान में संकल्प 343 में स्पष्ट उल्लेख है कि भारत की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी। भारतीय संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिये अंकों का रूप भारतीय अंकों का अन्तर्राष्ट्रीय रूप होगा। संविधान निमार्ताओं ने बड़ी चालाकी से राजभाषा हिन्दी के साथ पन्द्रह वर्ष तक एक प्रावधान भी रखा था। हिन्दी राजभाषा के रूप में संवैधानिक रूप से तो प्रतिष्ठित हो गई पर हिन्दी को नौकरशाहों ने समय से ही अपनी भाषा और संस्कृति को भारत में स्थापित करने का कार्य प्रारंभ कर दिया था। अंग्रेजों ने अपना शासन उज्जवल करने सबसे पहले अंग्रेजी को शासन और प्रशासन की भाषा बनायी। भारत में आजादी के पहले और बाद भी प्रशासकों ने अंग्रेजी को ही अपनी कार्य भाषा बनाया और हिन्दी की उपेक्षा कर उसके लिये मुश्किलें पैदा की हैं। आचार्य विनोबा भावे ने कहा है हिन्दी रूपी सूरज की रोशनी के बिना सबेरे की कल्पना व्यर्थ है। मैं दुनिया की सब भाषाओं की इज्जत करता हूँ, परन्तु मेरे देश में हिन्दी की इज्जत न हो, यह मै नहीं सह सकता। निश्चित ही यह गर्व का विषय है कि भारत के दक्षिण प्रदेशों तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, केरल आदि में हिन्दी के व्यापक प्रचार प्रसार में साधु सन्तों, फकीरों तथा उत्तर भारत से आये मारबाड़ी, गुजराती और मुसलमान व्यापारियों ने सराहनीय हिन्दी सेवा की है। गुजरात में जन्मे महात्मा गाँधी और स्वामी दयानंद सरस्वती के साथ साथ कवि दयाराम का योगदान हमेशा याद रहेगा। बंगाल के कवि रवीन्द्रनाथ ठाकुर, बंकिम चन्द्र चटर्जी और शरतचंद्र का हिन्दी के लिये योगदान महत्वपूर्ण रहा है। भाषा और संस्कृति एक दूसरे को प्रभावित करती हैं। किसी भी देश का समाज जब किसी विदेशी भाषा की संस्कृति पर आशक्त होता है तो उसके आदर्श और नैतिक मूल्य बदल जाते है। अपनी भाषा की आत्मीयता, गहन अनुभूतियाँ और मानवीय संबंधों का आलोक किसी भी विदेशी भाषा से प्राप्त नहीं हो सकता। हमें विदेशी भाषाओं का ज्ञान प्राप्त करने का विरोधी नहीं होना चाहिये, किन्तु हमे किसी भी स्थिति में विदेशी भाषा की संस्कृति से प्रभावित नहीं होना चाहिये। राष्ट्रीय चेतना के यशस्वी कवि माखनलाल चतुवेर्दी के अनुसार हिन्दी हमारे देश की भाषा की प्रभावशाली विरासत है। महात्मा गाँधी के अनुसार हिन्दी ही देश को एक सूत्र में बाँध सकती है। पूर्व प्रधानमंत्री श्री मती इंदिरा गाँधी ने कहा है हिन्दी विश्व की महान भाषाओं में से एक है। वह करोड़ों लोगों की मातृभाषा है और करोड़ों लोग ऐसे है जो दूसरी भाषा के रूप में बोलते हैं। सुप्रसिद्ध दिगम्बर जैन संत आचार्य विद्या सागर जी हिन्दी को बढ़ावा देने राष्ट्र व्यापी अभियान रखकर जनजागृति ले रहे है। उन्होंने नारा दिया है इंडिया नहीं भारत बोलो। आचार्य विद्या सागर जी की प्रेरणा से बालिका आवासीय विद्यालय जबलपुर, रामटेक,डोंगरगढ़, इंदौर में संचालित हैं,इसी प्रकार क्रांतिकारी जैन मुनि सुधासागर जी की प्रेरणा से श्रमण संस्कृति संस्थान द्वारा सांगानेर-जयपुर एवं खनियांधाना म.प्र. में बालक आवासीय विद्यालय संचालित हैं इनमें हिन्दी माध्यम से पढ़ाई होती है। हिंदी की वर्तमान दशा को देखते हुए समाज को एक दिशा प्रदान करना आवश्यक है। हमे हिन्दी के संदर्भ में अपने घर से शुरूआत करना होगा। बच्चों को समझा कर मम्मी-डैडी, अंकल-आंटी कजिन शब्दों का प्रयोग बंद करना होगा। सामाजिक स्तर पर भी हिन्दी में परिवर्तन आवश्यक है। मोबाइल अथवा टेलीफोन पर हेलो शब्द का प्रयोग होता है, जबकि प्रारंभ होना चाहिए कहिये अथवा मैं बोल रहा हूँ आप कौंन? अथवा नमस्कार से प्रारंभ होना चाहिये। दुकानों, शिक्षण संस्थाओं, शासकीय कार्यालयों ने नाम पट हिन्दी में होना चाहिये। जलपान के समय टी के स्थान पर

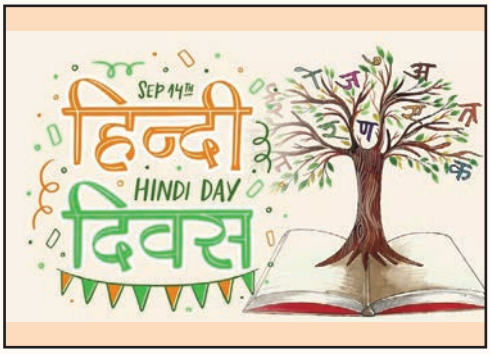

चाय, कोक के स्थान पर शरबत या शिकंजी कहना चाहिये। ब्रेक फास्ट के स्थान पर अल्पाहार, लंच एवं डिनर को मध्यान्ह भोजन, रात्री भोजन कहना चाहिये। शुभ विवाह के निमंत्रण पत्र पूर्णतः हिन्दी में छपबाने होंगे। कितनी हास्यास्पद बात है हम भगवान गणेश का चित्र लगाते है मंगल श्लोक हिन्दी में लिखते है, किन्तु शेष कार्यक्रम पति-पत्नी के नाम आदि अंग्रेजी में होते है। केवल अंग्रेजी पुत्रों की मानसिकता बदलनी है। इसके के लिये हमे पहल करनी होगी। हमे किसी से भी अंग्रेजी में पत्राचार अथवा वार्तालाप नही करनी चाहिये। हम सुधर जायेंगे तो अन्य लोग हमारा अनुशरण करने लगेंगे। हमे समझना पड़ेगा कि हिन्दी का अपमान देश का अपमान, देशवासियों का अपमान, भारत माता का अपमान है। उस दिन हिन्दी को लाने के लिये किसी क्रांति की आवश्यकता पड़ती है तो वह भी जनता ही करेगी। जब हम अंग्रेजी समझने से इंकार कर देंगे, जब हम अंग्रेजी पत्रों का उत्तर हिन्दी में देना प्रारंभ कर देंगे तो सामने बाला स्वयं ही हिन्दी अपनाने विवश हो जायेगा।

नोटः- लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

समाधि दिवस पर विशेष

आचार्य विद्यानंद जी कैसे बने स्वेतपिच्छाचार्य विद्यानन्द

शाबाश इंडिया

आचार्य रत्न श्री देश भूषण जी महाराज से आचार्य पद प्राप्त सिद्धान्तचक्रवर्ती परमपूज्य आचार्यश्री विद्यानन्द जी मुनिराज ने कुन्दकुन्द भारती दिल्ली में आयोजित एक धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए 24 जुलाई, 2010 को कहा था कि- साधु और श्रावक एक दूसरे के पूरक हैं। निश्चय और व्यवहार धर्म यह दो अलग अलग हैं। अनेक महापुरुषों पर संकट आये हैं। भगवान आदिनाथ को भी अशुभ कर्मों ने नहीं छोड़ा और 6 महीने तक आहार की विधि नहीं मिली थी ।

मयूर पंख पर प्रतिबंध

इसी प्रकार जब 2 मई, 2010 को दिगम्बर साधु समुदाय पर सरकार की ओर से मयूर पंख पर प्रतिबन्ध लगाने की बात को लेकर समाज में चिंता व्याप्त हो गई थी, क्योंकि आदिकाल से दिगम्बर साधु की मुद्रा मयूर पिच्छि एवं कमण्डलु ही है। सरकार के मयूर पंख पर प्रतिबन्ध लगाने के अध्यादेश के कारण जैन समाज में हड़कम्प मच गया, क्योंकि मयूर पिच्छि तो जैन साधुओं का प्रतीक चिह्न है।

आचार्य विद्यानंद जी ने लिखाया विरोध पत्र

आचार्यश्री ने मयूर पंखों के प्रतिबंध वाले अध्यादेश के विरोध में केन्द्र सरकार को पत्र लिखवा कर और पत्रों के साथ आगमों के अनेक प्रमाण, पुरातत्त्वों से प्राप्त अनेक चित्र आदि प्रामाणिक सामग्री भेजकर यह सिद्ध किया कि यह मयूर पंख धार्मिक चिह्न के रूप में मान्य हैं। अतः इस पर से प्रतिबंध हटाना ही उपयुक्त है क्योंकि किसी भी धार्मिक चिह्न पर प्रतिबन्ध लगाना असंवैधानिक है। केंद्र सरकार ने कालान्तर में मयूर पंख पर लगाए प्रतिबंध को वापस ले लिया था ।

विदेश से आये श्वेत मोर पंख

लेकिन इधर मयूर पंख पर प्रतिबंध की सूचना विदेशों में रहने वाले जैन भक्तों को भी मिली, उन्होंने तत्काल वहाँ से श्वेत मयूर पंख भारत भिजवाये और उनसे निर्मित एक श्वेतपिच्छी तैयार की गई और विद्यानन्द जी श्वेत पिच्छी भेंट की गई और उसी समय वहाँ मोजूद पूज्य उपाध्याय श्री प्रज्ञसागर जी ने कहा कि अब आचार्यश्री जी का नाम श्वेतपिच्छाचार्य होगा। उपस्थित

समुदाय ने उसकी अनुमोदना करते हुए श्वेतपिच्छाचार्य के अलंकरण के साथ जयघोष का उच्चारण किया।

तब से आचार्यश्री जी का विरूद हुआ श्वेतपिच्छाचार्य श्री विद्यानन्द मुनिराज

राष्ट्र सन्त प्रमुख विचारक, दार्शनिक, संगीतकार, संपादक, संरक्षक, महान तपोधनी, श्वेतपिच्छाचार्य आचार्य श्री विद्यानंदजी मुनिराज की 94 वर्ष की अवस्था में 22 सितम्बर 2019 गुरुवार को दिल्ली में संल्लेखनापूर्वक समाधि हुई और उस समय मोजूद प्रिय शिष्य आचार्य वसुनन्दी जी मुनिराज के अनुसार इसके साथ ही एक युग का अंत हो गया।

पदम जैन बिलाला: अध्यक्ष
श्री दिगंबर जैन मन्दिर
जनकपुरी -ज्योतिनगर जयपुर

पूर्व विधायक फूलचंद जैन की स्मृति में गार्डन बेंच भेंट की

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया

पूर्व विधायक स्वर्गीय फूलचंद जैन की पुण्य स्मृति में उनके सुपुत्र बसंत कुमार, अजीत कुमार, अनिल कुमार जैन जयपुर प्रवासी के सौजन्य से सुजलांचल विकास मंच समिति के तत्वावधान में स्थानीय नया बास स्थित खेल स्टेडियम में 10 आरसीसी गार्डन बेंच भेंट की। समिति के उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद पाटनी ने जानकारी देते हुए बताया कि सुजानगढ़ क्षेत्र में पीने के पानी की सौगात देने वाले लोकप्रिय विधायक रहे स्वर्गीय फूलचंद जैन की स्मृति में उनके परिवार जनों ने बेंच भेंट की है जिसका लोकार्पण नगर परिषद की सभापति नीलोफर गोरी, श्री दिगम्बर जैन समाज के सरक्षक विमल कुमार पाटनी, समाजसेवी मनोज कुमार पाटनी शिलोंग, लालचंद बगड़ा ने किया इस अवसर पर पार्षद उषा देवी बगड़ा, मंजू देवी बाकलीवाल, शिक्षक दाऊलाल त्रिवेदी, उपस्थित थे। समिति सचिव विनीत कुमार बगड़ा ने आभार प्रकट किया।

श्री दिगम्बर जैन मंदिर ट्रस्ट, सत्कार शॉपिंग सेंटर, मालवीय नगर,जयपुर में फिजियोथेरेपी सेंटर का शुभारंभ हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर ट्रस्ट, सत्कार शॉपिंग सेंटर, मालवीय नगर,जयपुर में विद्या सागर फिजियोथेरेपी सेंटर का शुभारंभ स्व श्री शान्ति कुमार शाह, स्व श्रीमति कंचन देवी शाह, स्व श्री सुनील जैन की पुण्य स्मृति में सुपुत्री नीना जैन ,दोहित्र साहिल जैन, दोहित्र वधू श्रीमति अपूर्वा जैन,नायरा एवं नितारा जैन, ट्रस्टी राज कुमार बाकलीवाल एवं विपीन जैन ने किया। परिवार ने इस अवसर पर मंदिर ट्रस्ट को इस मंगल कार्य हेतु पांच लाख रुपए की राशि प्रदान की।फिजियोथेरेपी सेंटर में डॉक्टर एस के काला की सेवा का लाभ नियमित बड़ी संख्या में आम जन उठा रहे हैं। विद्या सागर फिजियोथेरेपी सेंटर ने रेडक्लिफ लैब एवंम ज्योति डायगोनिस्टिक सेंटर के सौजन्य से दोनो रविवार दिनांक 3 सितंबर एवं 10 सितंबर को हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया, जिसमें अनेक लाभार्थियों ने लाभ उठाया । सी एल जैन ,अध्यक्ष, ने बताया कि मंदिर ट्रस्ट हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन अगले रविवार 17 सितंबर को भी होगा।

वरिष्ठ पत्रकार सतीश शर्मा के निधन पर पत्रकार जगत में शोक की लहर

चंद्रेश कुमार जैन। शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी। मंगलवार को हिंडौन निवासी पूर्वी राजस्थान पत्रकार संघ के अध्यक्ष सतीश शर्मा के आकस्मिक निधन से पत्रकार जगत में शोक की लहर छा गई। मृतक के बड़े भाई सुरेश शर्मा ने बताया कि उनका छोटा भाई सतीश शर्मा लगभग 40 वर्षों से विभिन्न अखबारों में पत्रकारिता के क्षेत्र से जुड़े हुए थे। पत्रकारिता के साथ-साथ समाज के कई पदों पर कार्यरत थे। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ कर गए हैं। मंगलवार शाम 5 बजे उनके सुपुत्र ने चिता को मुखाग्नि दी। तीये की बैठक बुधवार सुबह 9 बजे होगी। उनके निधन का समाचार लगा तो हिंडौन सहित आसपास के इलाकों के पत्रकार साथी सहित सामाजिक, राजनीतिक संगठनों ने शोक व्यक्त किया।